ग्रामीण संस्कृति से रूबरू हुए कलाकार

भास्कर न्यूज़ | लूणी

गांव सरेचा में कॉमन कला संस्थान द्वारा आयोजित कला शिविर में मंगलवार को कई कार्यक्रम हुए। शिविर में भाग लेने पहुंचे कलाकारों ने सरेचा, सर, लूणी व आसपास के गांवों का भ्रमण किया व लोगों से रूबरू हुए। इस दौरान कलाकारों ने गांव के बाजार से खरीदारी का भी आनंद उठाया। इस दौरान मारवाड़ की कला व संस्कृति ने इन विदेशी कलाकारों का मन जीत लिया। गांव के लोगों के रंगीन परिवेश, मिट्टी के बर्तन, कपड़े से बनी इडोनी, आंगन की लिपाई, अल्पना आदि के बारे में कलाकारो ने ग्रामीण महिलाओं से जाना। कलाकारों ने गांव के स्कूल में जाकर बच्चों की शिक्षा के बारे में भी जानकारी ली। ब्राजील से आई कलाकार एना करेलिना ने गांव के घरों में जाकर महिलाओं से उनके दैनिक रहन-सहन के बारे में जाना। मारवाड़ के लोगों की बोली व मिलनसार प्रवृत्ति को कलाकारों ने खूब पसंद किया। पूना से आई कलाकार नरूपा सोमन व डेनिश कलाकार सिमोने जहां प्राचीन ओडिसी नृत्य कला से गांव वालों को परिचित करा रही है। वहीं गांव के लोकनृत्य को सीख कर इन दोनों कलाओं का समिश्रण कर नई प्रस्तुति तैयार कर रही है। शाम को प्रोजेक्टर द्वारा अहमद अहमद हेल्मि व विभुति भुषणनाथ ने अपने देश की संस्कृति व कला के बारे मे गांव के लोगों को जानकारी दी।

लूणी. ग्रामीण वेशभूषा पहनकर डांस करते विदेशी पर्यटक।

लूणी के बाजार में पर्यटकों ने की खरीदारी

शिविर में आए पर्यटकों ने लूणी गांव के बाजार में भ्रमण करते हुए बाजार में जमकर खरीदारी की। इसमें विशेष तौर पर सोने-चांदी के आभूषण, महिलाओं के संवरने की वस्तुएं जैसे बिंदी, गले के हार, हाथ में पहनने के कंगन आदि सामग्री खरीदी।

ग्रामीण वेशभूषा में रहकर महिलाओं को सिखाया नृत्य

शिविर में शाम के समय विदेशी पर्यटकों ने प्रोजेक्टर पर गाने चलाए व ग्रामीण वेशभूषा में सजधज कर गांव की महिलाओं को डांस सिखाया।

ये रहेंगे कल के कार्यक्रम

शिविर में बुधवार को विदेशी कलाकार अपने हाथों से बनाई सामग्री [illegible] बाद में भारतीय नृत्य व संस्कृति के कई विशेष मुद्दों पर चर्चा की जाएगी व रात्रि में [illegible] के क्षेत्र में [illegible] किया जाएगा।